NEWS CLIPPING: 09.11.2020

THE TRIBUNE

PROGRAMME ON INNOVATIONS, PATENTS

Faridabad: The department of civil engineering of JC Bose University in collaboration with REC, Ambedkar Nagar (Uttar Pradesh), organised an online programme on 'innovations and patents'. Over 100 participants from across the country participated in the programme, which was sponsored under TEQIP-III. The chairperson of civil engineering Prof ML Aggarwal emphasised the increasing need of innovations and patents for self, society and industrial development. As many as four invited speakers from academic institutions and industry addressed the webinar.

The Tribune Mon, 09 November 2020
https://epaper.tribunei

NEWS CLIPPING: 09.11.2020

HINDUSTAN

करीब 60 एकड़ में तैयार होगा जेसी बोस यूनिवर्सिटी का ग्रीन कैंपस, जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू की गई

अरावली में वनस्पति विज्ञान का अनुसंधान केंद्र बनेगा

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए अरावली पर्वत श्रृंखलाओं के बीच पर्यावरण और वनस्पति विज्ञान का आधुनिक अनुसंधान केंद्र स्थापित करेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने नगर निगम से खरीदी गई अरावली में करीब 60 एकड़ जमीन पर कब्जा लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एक सप्ताह में विश्वविद्यालय प्रशासन नगर निगम को भांकरी राजस्व संपदा की करीब 18 एकड़ जमीन की कीमत का भुगतान कर देगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन अरावली की वादियों में अपना ग्रीन कैंपस विकसित करेगा। वहां नई शिक्षा नीति के तहत छात्रों को ग्लोबल एजुकेशन की सुविधा मिलेगी। इसमें पर्यावरण एवं वनस्पति विज्ञान समेत कई विषयों के अनुसंधान केंद्र होंगे। इस कैंपस की करीब 18 एकड़ जमीन पर ही निर्माण कार्य हो सकेगा, अन्य जमीन पर ग्रीन कैंपस विकसित किया जाएगा। इस विश्वविद्यालय के विस्तार के बाद छात्र परम्परागत कोर्सों के साथ अनुसंधान पाठ्यक्रमों में पढ़ाई कर सकेंगे। विस्तार के बाद पलवल, नूहं और फरीदाबाद के सभी कॉलेज जेसी बोस यूनिवर्सिटी से संबंधित हो जाएंगे।

नगर निगम सदन पारित कर चुका है जमीन देने का प्रस्ताव : नगर निगम सदन बीते वर्ष फरवरी 2019 में पहले ही भांकरी राजस्व संपदा की करीब 18 एकड़ जमीन को विश्वविद्यालय को देने के लिए प्रस्ताव को पारित कर चुका है।

अरावली में करीब 60 एकड़ में जेसी बोस यूनिवर्सिटी का ग्रीन कैंपस तैयार होगा।

भांकरी के पास नया ग्रीन कैंपस विकसित होगा। जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। नए कैंपस से छात्रों को सुविधा होगी। छात्रों को सभी पाठ्यक्रम मिलेंगे। -डॉ. दिनेश कुमार, कुलपति

गुजरेगी मेट्रो

इस कैंपस से छात्रों को अधिक सुविधा होगी। यह कैंपस मेट्रो टैक के पास है। यह मेट्रो लाइन भविष्य में तीन कारोबारी शहरों गुरुग्राम, फरीदाबाद और ग्रेटर नोएडा को आपस में जोड़ेगी। फिल्हाल गुरुग्राम-फरीदाबाद के बीच मेट्रो लाइन की मंजूरी हो चुकी है, उम्मीद है अगले वर्ष इस पर तेजी से काम शुरू हो जाएगा।

ऐसे हुआ विस्तार

इंडो-जर्मन परियोजना के तहत वर्ष 1969 में वाईएमसीए इंजीनियरिंग संस्थान सेक्टर-छह में राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थापित किया गया। मात्र 120 छात्रों के डिप्लोमा के साथ शुरू संस्थान में अब करीब पांच हजार छात्र हैं और अब ये जेसी बोस के नाम पर एक प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय है।